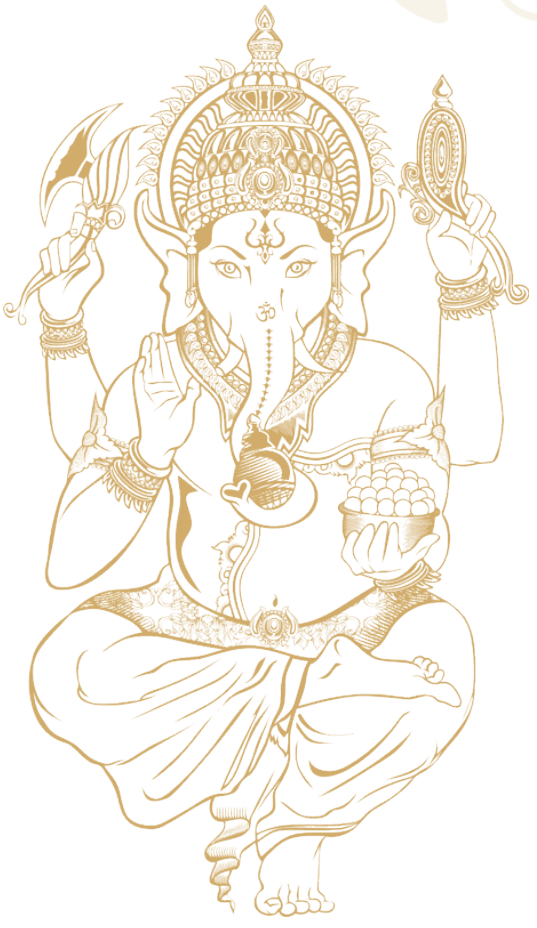

Praveen

Urvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121533702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1996	जन्म तिथि	28/10/1995
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:30:00	जन्म समय	19:20:00 घंटे
घटी 28:13:34	जन्म समय(घटी)	32:07:56 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Jaipur
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:34	सूर्योदय	06:33:37
18:31:33	सूर्यास्त	17:47:14
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:02

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 0मा 22दि		08:18:55	कुंभ	लग्न	वृष	09:05:17	केतु 1वर्ष 7मा 25दि	
राहु		27:09:24	सिंह	सूर्य	तुला	10:52:01	चन्द्र	
06/10/2016		03:11:37	कन्या	चंद्र	धनु	10:11:12	23/06/2023	
07/10/2034		08:28:48	कर्क	मंगल	वृश्चि	11:44:23	23/06/2033	
राहु	19/06/2019	05:12:44	कन्या व	बुध	कन्या	25:20:33	चन्द्र	23/04/2024
गुरु	12/11/2021	14:09:48	धनु	गुरु	वृश्चि	21:32:08	मंगल	22/11/2024
शनि	18/09/2024	12:57:52	कर्क	शुक्र	तुला	28:54:58	राहु	24/05/2026
बुध	07/04/2027	11:10:33	मीन व	शनि व	कुंभ	24:42:07	गुरु	23/09/2027
केतु	25/04/2028	14:10:01	कन्या व	राहु व	तुला	02:41:01	शनि	23/04/2029
शुक्र	26/04/2031	14:10:01	मीन व	केतु व	मेष	02:41:01	बुध	22/09/2030
सूर्य	19/03/2032	07:06:55	मक व	हर्ष	मक	02:55:54	केतु	23/04/2031
चन्द्र	18/09/2033	01:18:31	मक व	नेप	धनु	29:07:35	शुक्र	22/12/2032
मंगल	07/10/2034	06:50:34	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	05:41:45	सूर्य	23/06/2033

लग्न-चलित

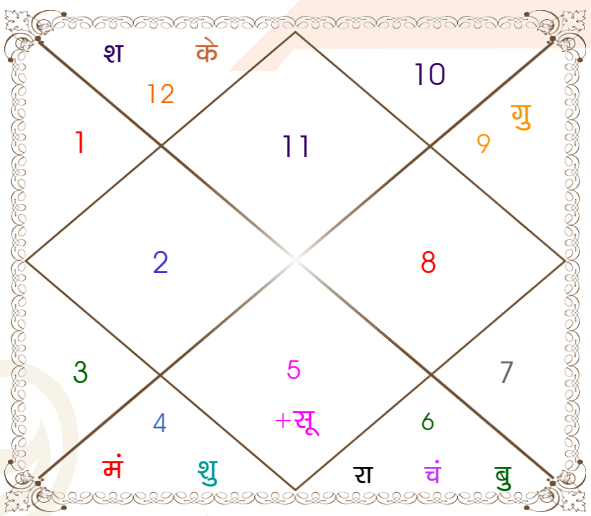

लग्न-चलित

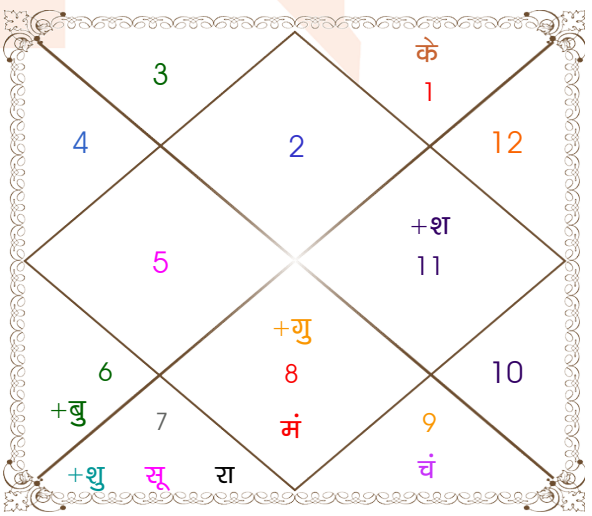

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Praveen का वर्ग श्वान है तथा Urvi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Praveen और Urvi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Praveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Urvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Urvi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Urvi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Praveen कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Praveen तथा Urvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।